

राजस्थान बजट 2025-26

चर्चा में क्यों?

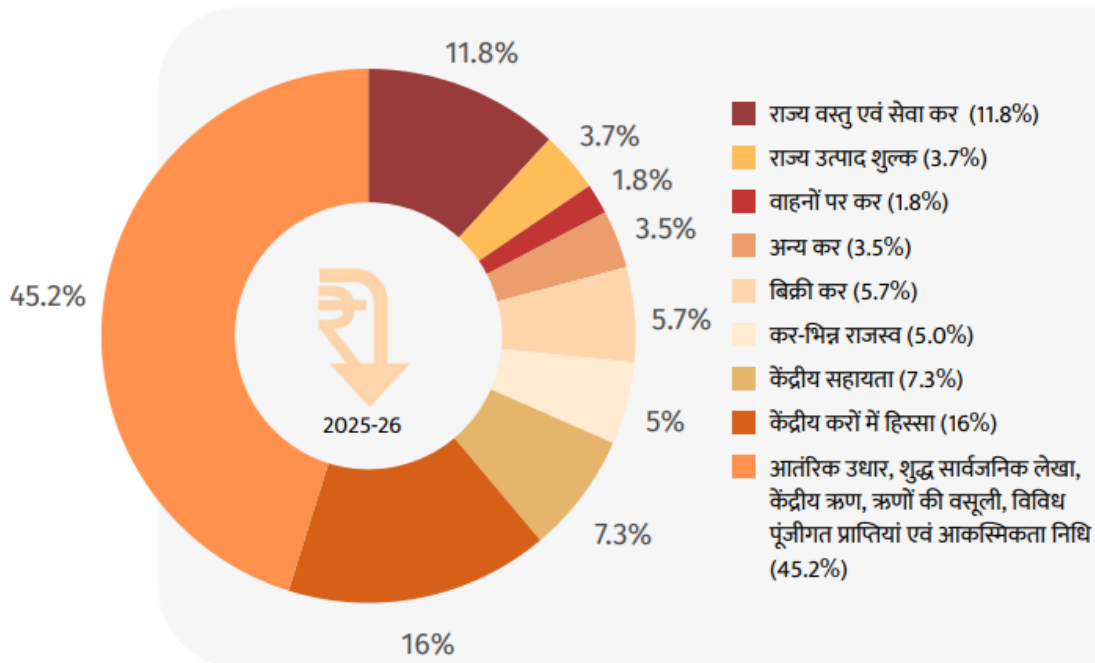
19 फरवरी, 2025 को राजस्थान की उपमुख्यमंत्री सह वित्त मंत्री ने राजस्थान बजट 2025-26 [वधानसभा](#) में पेश किया।

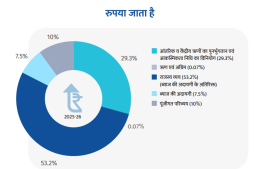
मुख्य बंदी

■ बजट के बारे में:

- यह पहला ग्रीन थीम आधारित बजट है, जिसमें ग्रामीण विकास, [बुनियादी ढाँचे](#) और नवीकरणीय ऊर्जा पर विशेष ज़ोर दिया गया है।
- बजट में [महिलाओं](#), [किसानों](#) और [युवाओं](#) की ज़रूरतों को ध्यान में रखते हुए अनेक योजनाएँ बनाई गई हैं।

रुपया आता है





■ मुख्य घोषणाएँ:

○ पेयजल:

- आगामी वर्ष में बीस लाख घरों में कनेक्शन देने के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल हेतु **425 करोड़ का प्रावधान**।
- मुख्यमंत्री जल जीवन मशिन** (शहरी) की शुरुआत की गई है जिसके तहत 5830 करोड़ का प्रावधान।

○ ऊर्जा:

- आगामी वर्ष में 6400 मेगावाट से अधिक बजिली का उत्पादन करना।
- 50 हजार नए कृषि कनेक्शन और **पाँच लाख घरेलू कनेक्शन** देना।
- 765KV का एक, 400KV के पाँच, 220KV के 13 और 132KV के 28 और 33/11KV के 133 जीएसएस बनेंगे।
- आगामी वर्ष में नजी की क्षेत्र के माध्यम से 10 गीगावाट बजिली का उत्पादन किया जाएगा।
- मुख्यमंत्री नशुलक बजिली योजना** के तहत 150 यूनिट प्रति माह बजिली नशुलक दी जाएगी।

○ परिवहन विकास:

- सड़कों के विकास के लिये 5000 करोड़ रुपए से अधिक के कार्य किये जाएंगे।
- नौ ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे पर 60000 करोड़ रुपए खर्च होंगे।**
- प्रत्येक वधानसभा में 10-10 करोड़ रुपए से नॉन पैवेबल सड़क कार्य होंगे।
- 5 हजार से अधिक आबादी वाले 250 गाँवों में 500 करोड़ की लागत से **'अटल प्रगति पथ'** बनेंगे।
- 500 नई रोडवेज बसें जीसीसी मॉडल पर उपलब्ध कराई जाएंगी, साथ ही शहरी क्षेत्रों के लिये 500 बसें राजकीय शहरी ट्रांसपोर्ट कारपोरेशन के माध्यम से उपलब्ध कराई जाएंगी।
- जयपुर मेट्रो:** 12000 करोड़ की लागत से **सीतापुरा औद्योगिक क्षेत्र से अंबावाडी एवं वदियाधरनगर (टोडी मोड तक) वसितार होगा**, इसके साथ ही जगतपुरा, वैशाली नगर के लिये डीपीआर बनेंगी।
- 'पंचगौरव योजना'** के अंतर्गत 550 करोड़ रुपए का प्रावधान।
- स्वामित्व योजना** में 2 लाख परिवारों को पट्टे दिए जाएंगे।
- मनरेगा के अंतर्गत 3400 लाख मानव दवियों का सृजन किया जाएगा।
- जयपुर की ट्रेफिक व्यवस्था सुधार में 250 करोड़ खर्च होंगे। इसके अलावा जयपुर में बने बीआरटीएस कोरडोर को हटाया जाएगा।
- डांग, मगरा, मेवात एवं बरजि क्षेत्रीय विकास योजनाओं हेतु 100-100 करोड़ रुपए का प्रावधान।
- दिल्ली-जयपुर, जयपुर-आगरा और जयपुर-कोटा हाईवे** पर सड़क सुधार कर **'Zero Accident Zones'** का निर्माण।
- 20 टर्मा सेंटर का PPP मोड में सुदृढीकरण हेतु ₹50 करोड़ का प्रावधान।
- 25 एडवांस्ड लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस की सुविधा।

○ नगरीय विकास:

- पार्कगि, रनिवेशन, रेजीडेंशियल फ्लैट, बस स्टैंड आदि के वसितार एवं विकास** के लिये 780 करोड़ रुपए का प्रावधान।
- 7 वर्षों की अवधि की पंडति दीनदयाल उपाध्याय शहरी विकास योजना के लिये 12050 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।
- प्रदेश के समस्त शहरों में 50 हजार स्ट्रीट लाइट लगाये जाएंगे।
- 500 पकि टॉयलेट्स के निर्माण हेतु 175 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।
- 30 नगर परिषदों में **Mechanised Transfer Stations** की स्थापना की जाएगी।

○ औद्योगिक विकास:

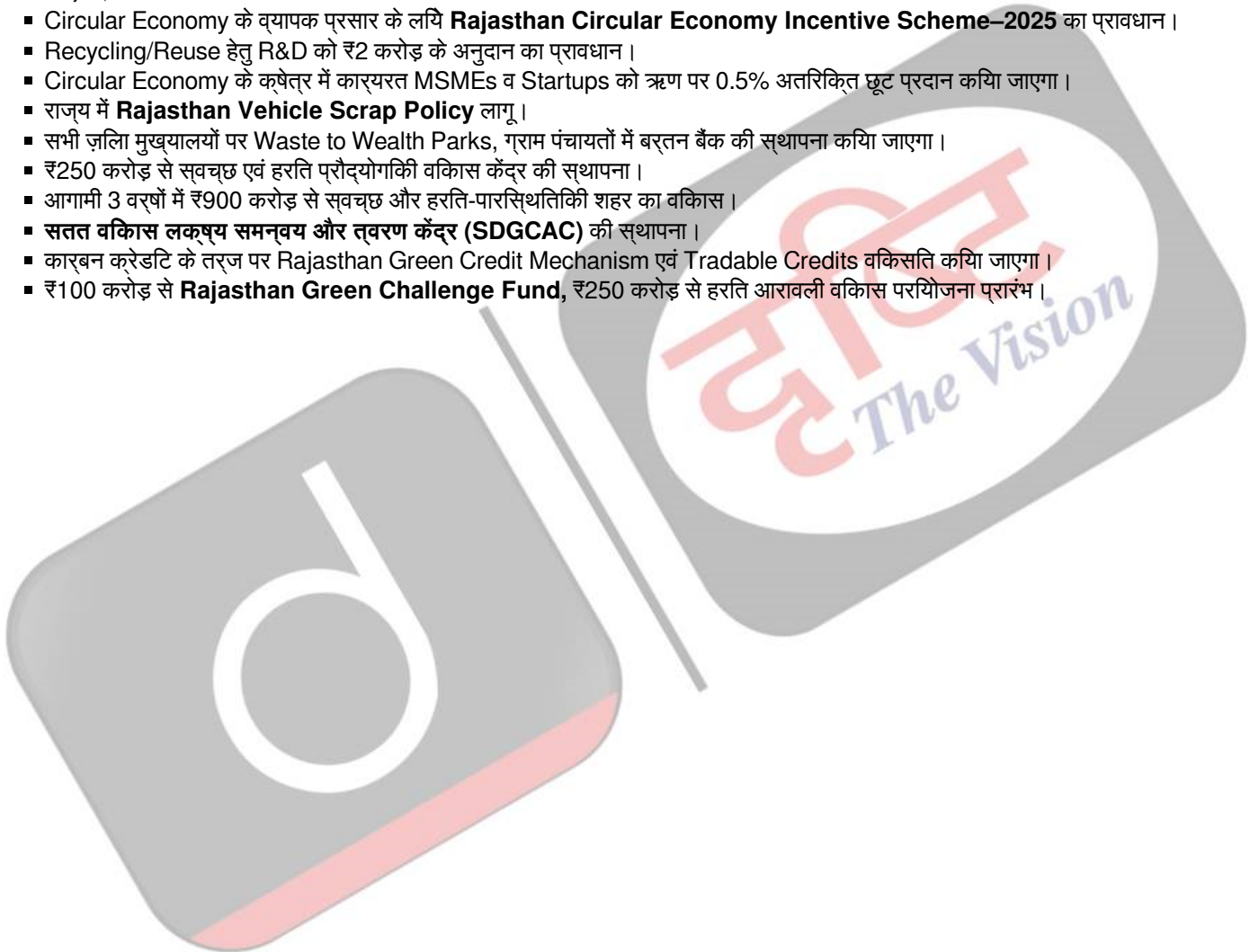
- औद्योगिक विकास को प्रोत्साहित करने हेतु 'Single Window-One Stop Shop' के माध्यम से ऑनलाइन अनुमतियों की संख्या बढ़ाकर 149 करना।
- वभिगों के लिये **Competitive Index** लागू होगा। **Rising Rajasthan** के MoUs को प्रभावी बनाने हेतु PMU गठित किया जाएगा। Flatted Factory की व्यवस्था लागू। **Plug and Play Model** के तहत औद्योगिक क्षेत्र वकिसति किया जाएगा।
- सेवा क्षेत्र में नविश के लिये **Global Capability Centre (GCC) Policy** और व्यापार संवर्धन हेतु Rajasthan Trade Promotion Policy लागू होगी।
- औद्योगिक पार्कों के विकास में कोटा में टॉय पार्क, नमिबाहेड़ा-चित्तौड़गढ़ व बूंदी में स्टोन पार्क, सोनयाणा-चित्तौड़गढ़ में सेरामिक पार्क, DMIC के तहत फार्मा पार्क, भीलवाड़ा में टेक्सटाइल पार्क का वसितार तथा सांगानेर-जयपुर में ब्लॉक प्रटिगि जोन स्थापति किये जाएंगे।
- 18 नए औद्योगिक क्षेत्रों के आधारभूत विकास हेतु ₹150 करोड़ का प्रावधान। नजी औद्योगिक पार्कों में CETP के लिये सहायता दी जाएगी। **DMIC (Delhi Mumbai Industrial Corridor)** से जुड़े दो लॉजिस्टिक पार्क बनाए जाएंगे और PM Gati Shakti अपडेटेड सिस्टम वकिसति किया जाएगा।

○ पर्यटन, कला एवं संस्कृति:

- पर्यटन विकास के लिये ₹975 करोड़ रुपए का प्रावधान।
- जयपुर में **IIFA Awards** आयोजन। Heritage Tourism के तहत 10 Iconic Tourist Destinations विकसित किये जाएंगे, जबकि Night Tourism को बढ़ावा देने हेतु ₹100 करोड़ रुपए का प्रावधान।
- ऐतिहासिक कलात्मक हवेलियों का **शेखावाटी हवेली संरक्षण योजना** एवं **Heritage Walk** के तहत संरक्षण कार्य किये जाएंगे। जयपुर अलबर्ट हाल म्यूजियम के उन्नयन के लिये ₹25 करोड़ रुपए का प्रावधान।
- आदवासी पर्यटन हेतु ₹100 करोड़ रुपए से Tribal Tourist Circuit विकसित होगा।
- Flying Training Organisation (FTO) **प्रतापगढ़, झालावाड़ा एवं झुंझुनू में की स्थापना। जयपुर, जोधपुर व उदयपुर में Hop-on-Hop-off बस सेवा।**
- वभिन्न मंदिरों के उन्नयन हेतु ₹101 करोड़ का प्रावधान, मंदिरों में भोग राशि ₹3,000 प्रतिमाह और पुजारियों का मानदेय ₹7,500 प्रतिमाह किया गया।
- **युवा विकास एवं कल्याण:**
 - राजस्थान रोजगार नीति-2025** लाने की घोषणा।
 - 500 करोड़ का 'विकानंद रोजगार सहायता कोष' की स्थापना होगी।
 - आगामी वर्ष में 1.25 लाख पदों पर भरतियां होगी। नजी क्षेत्र में लाख 1.50 लाख युवाओं को रोजगार दिया जाएगा।
 - 'वशिवकर्मा युवा उधमी प्रोत्साहन योजना' का शुभारंभ होगा। युवाओं को ₹2 करोड़ तक के ऋण पर 8% ब्याज अनुदान एवं 5 लाख युवाओं को मार्जनि मनी सहायता।
 - प्रत्येक संभाग में **उन्नत कौशल और कैरियर परामर्श केंद्र** की स्थापना।
 - जयपुर, जोधपुर एवं उदयपुर में वैदिक गुरुकुल एवं वैदिक पर्यटन केंद्रों की स्थापना की जाएगी।
 - द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता प्रशिक्षकों की भूमिआवंटित की जाएगी।
 - उदयपुर, कोटा, बीकानेर, भरतपुर एवं अजमेर संभाग में पैरास्पोर्ट्स के लिये स्पेशल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स बनेंगे।
- **चिकित्सा एवं स्वास्थ्य:**
 - आमजन को नःशुल्क जाँच व दवा हेतु ₹3,500 करोड़ का **'MAA कोष'** का गठन। MAA योजना में Interstate Portability लागू।
 - 7 वर्ष से अधिक वृद्धजनों को घर पर नःशुल्क दवा। सभी जिला चिकित्सालयों में Diabetic Clinics स्थापित। TB मुक्त प्रदेश हेतु CHC पर Digital X-ray, TRU-NAAT व CB-NAAT मशीनों की उपलब्धता होगी।
 - HIV संक्रमित व जोखिमग्रस्त महिलाओं की Cervical Cancer जाँच।
 - नःशुल्क नेत्र जाँच व ऑपरेशन हेतु MAA नेत्र वाउचर योजना लागू।
 - 148 अरबन **आयुष्मान आरोग्य मंदिर (UAAM)** स्थापित होंगे।
 - बीकानेर चिकित्सालय में **Vitreous Retina Surgery Unit** का उन्नयन।
 - जयपुर, बीकानेर, जोधपुर, उदयपुर, कोटा में 120-बेड क्षमता के स्पाइनल इंजरी सेंटर की क्षमता में वृद्धि।
 - कोटा मेडिकल कॉलेज में कैंसर यूनिट व कॉटेज वार्ड हेतु ₹195 करोड़।
 - प्रत्येक संभाग मुख्यालयों पर **अल्ट्रा एडवांस्ड ब्रेन केयर सेंटर** की स्थापना।
 - राजस्थान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (RIMS)** जयपुर उन्नयन हेतु ₹500 करोड़; 750 चिकित्सक व 1,500 पैरामेडिकल पद सृजित किये जाएंगे।
 - 'Fit Rajasthan' अभियान हेतु ₹50 करोड़ प्रावधान; आहार में तेल की मात्रा 10% घटाने पर जोर।
 - नवीन आयुष नीति:** गाँवों को आयुष्मान आरोग्य ग्राम घोषित कर ₹11 लाख प्रोत्साहन।
 - 7 जिलों (हनुमानगढ़, सवाई माधोपुर, जैसलमेर, पाली, सरोही, चित्तौड़गढ़ एवं डूंगरपुर) में खाद्य प्रयोगशालाओं की स्थापना की जाएगी।
- **सामाजिक सुरक्षा:**
 - सामाजिक सुरक्षा के तहत मिलने वाली पेंशन अब 1250 रूपए प्रतिमाह होगी।
 - असंगठित श्रमिकों के लिये **Gig and Unorganised Workers Fund** में ₹350 करोड़ का प्रावधान।
 - बालिकाओं को 35 हजार स्कूटी वितरण का प्रावधान।
 - प्रत्येक ब्लॉक में उच्च माध्यमिक विद्यालय या महाविद्यालय में 'रानी लक्ष्मीबाई केंद्र' स्थापित होगा।
 - लखपति दीदी** श्रेणी में 20 लाख महिलाओं को लाने का लक्ष्य।
 - घुमंतू समुदायों के लिये **'दादूदयाल घुमंतू सशक्तिकरण योजना'** शुरू।
 - अनुजा., ओबीसी व अल्पसंख्यक नगिम ऋणों के लिये **वन टाइम सेटलमेंट योजना (OTSS)**।
 - 5 हजार उच्च मूल्यों की दुकानों पर 'अन्नपूर्णा भंडार' की स्थापना।
 - ग्रभवती महिलाओं को अतिरिक्त पोषण हेतु **मुख्यमंत्री सुपोषण Nutri-Kit योजना** लागू।
- **कानून व्यवस्था तथा सुशासन:**
 - '**राजस्थान नागरिक सुरक्षा अधिनियम**' के तहत Surveillance एवं सुरक्षा तंत्र सुदृढीकरण।
 - 2 वर्षों में:** पुलिस को 1,000 वाहन एवं 3,500 नवीन पद सृजित।
 - Sardar Patel Centre for Cyber Control and War-Room** की स्थापना पर ₹350 करोड़ व्यय का प्रावधान।
 - व्यवसायिक बंदियों की पेशी हेतु **400 Video Conference (VC) Nodes** की स्थापना।
 - 7 केंद्रीय कारागृहों** में अवैध मोबाइल सग्नल रोकने हेतु **T-HCBS प्रणाली की स्थापना।**
 - सजायाप्राप्त बंदियों के लिये **न्यूनतम मजदूरी** का प्रावधान।
 - अजमेर कारागार प्रशिक्षण संस्थान** का उन्नयन।
 - अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कार्यालय:** शाहपुरा (जयपुर), रगिस (सीकर)।
 - पुलिस उपाधीक्षक कार्यालय:** रायपुर-ब्यावर, खाटूश्यामजी (सीकर)।
 - 8 नए साइबर पुलिस थाने** स्थापित करने का प्रावधान।

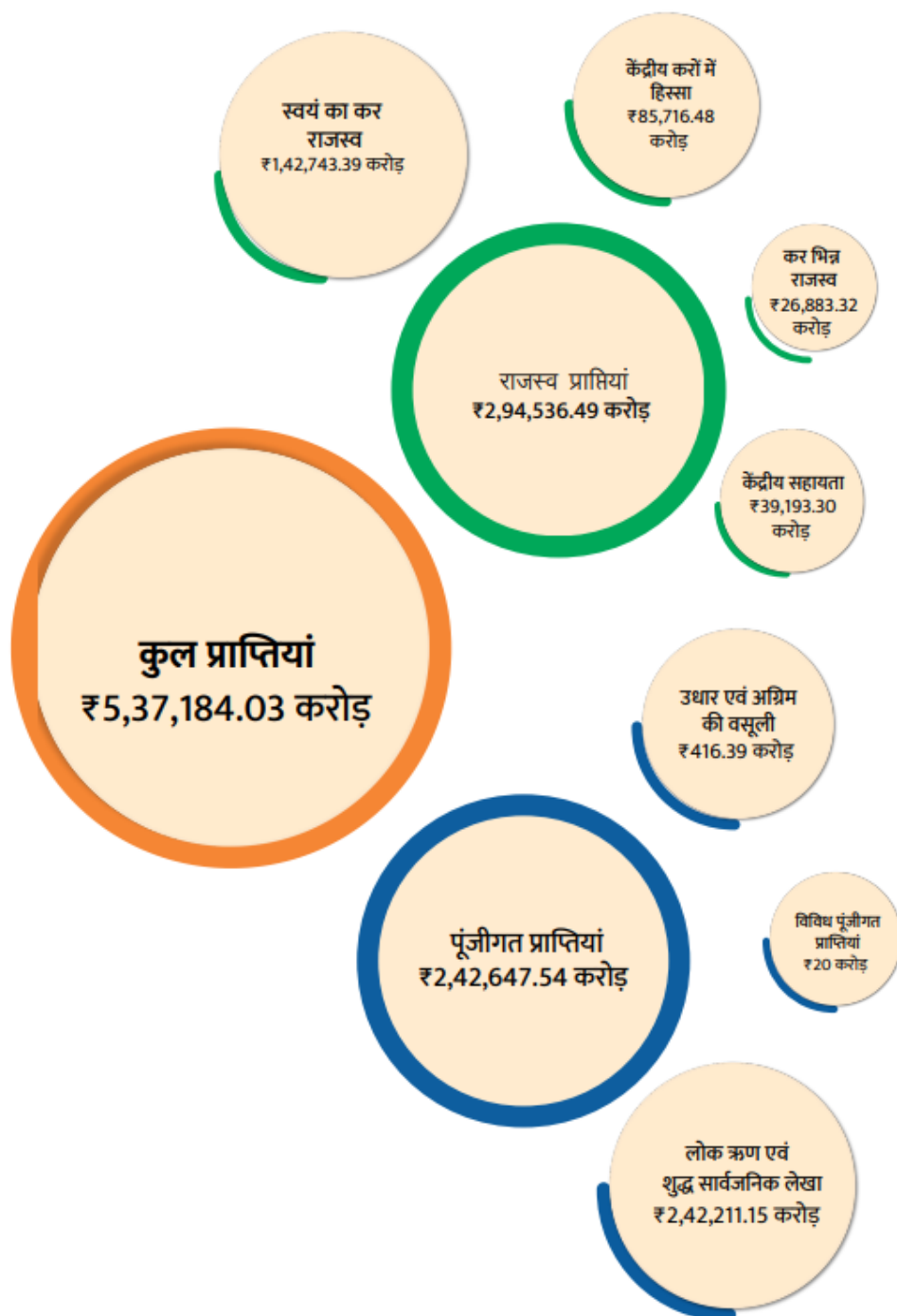
- आगामी वर्ष में 3 हजार से अधिक जनसंख्या वाले पंचायत मुख्यालयों में 'अटल ज्ञान केंद्र' स्थापित होंगे।
- **अंबेडकर संविधान अध्ययन एवं अनुसंधान संस्थान** की स्थापना।
- वभिगीय कार्यों के डिजिटलीकरण व पेपरलेस प्रणाली हेतु अधिकारियों-कर्मचारियों को टैबलेट्स हेतु ₹250 करोड़ व्यय का प्रावधान।
- ₹400 करोड़ से आधुनिक RajNET 2.0 प्रणाली लागू। **RajNET 2.0** से कनेक्टिविटी क्षमता में दोगुनी वृद्धि।
- आपदा रकवरी डेटा सेंटर जोधपुर में स्थापित होगा।
- ब्रह्मगुप्त फरंटियर टेक्नोलॉजीज सेंटर हेतु ₹300 करोड़ का प्रावधान।
- प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में विधायक जनसुनवाई केंद्र स्थापित होगा।
- नए 8 ज़िलों में ज़िला स्तरीय कार्यालयों हेतु ₹1,000 करोड़ का प्रावधान।
- **कार्मिक कल्याण:**
 - सभी मानदेय कर्मियों के मानदेय में आगामी वर्ष 10% वृद्धि।
 - NFSA डीलरों के कमीशन में 10% वृद्धि।
 - न्यायिक सेवा के पेंशनर्स को 70 वर्ष की आयु पर 5% अतिरिक्त भत्ता।
 - सरकारी कर्मचारियों को **1 अप्रैल 2024 से बढ़ी हुई Gratuity का लाभ मिला**।
 - पत्रकार कल्याण राश्री 1 लाख से बढ़कर 3 लाख रुपए किया गया।
 - पत्रकारों को Exposure Tour की सुविधा उपलब्ध।
- **कृषि बजट:**
 - **राम जल सेतु लकि परियोजना** के लिये ₹9,300 करोड़ रुपए का प्रावधान।
 - **मनोहरथाना सचिाई परियोजना** हेतु ₹2,250 करोड़ का प्रावधान।
 - **धौलपुर लफिट परियोजना** एवं कालीतीर परियोजनाओं के लिये ₹950 करोड़ रुपए का प्रावधान।
 - 100 एकड़ों का निरमाण व जीर्णोद्धार हेतु ₹500 करोड़ रुपए का प्रावधान।
 - **Micro Irrigation:** 1 लाख हेक्टेयर+ क्षेत्र में योजना, 3.50 लाख हेक्टेयर में Drip व Sprinkler सिस्टम हेतु ₹1,250 करोड़ व्यय का प्रावधान।
 - 25 हजार फार्म पोंड, 10 हजार ड्रिगिंग, 50 हजार सौर पम्प व 20 हजार कमी पाइपलाइन हेतु ₹900 करोड़ का प्रावधान।
 - **PM किसान सम्मान निधि:** वार्षिक सहायता ₹9,000 किया गया।
 - गेहूँ के MSP पर बोनस ₹150 प्रतिक्वटिल।
 - **राजस्थान कृषि विकास योजना (RajKVY)** के तहत आगामी वर्ष में ₹1,350 करोड़ के कार्य प्रस्तावित।
 - 1,000 Custom Hiring Centres स्थापित किये जाएंगे।
 - आधुनिक कृषि उपकरणों के लिये ₹300 करोड़ का अनुदान, 1 लाख किसानों को लाभ मिला।
 - मृदा शक्ति संवर्धन योजना के तहत हरी खाद के लिये 3 लाख टैंका बीज मनीकटि उपलब्ध।
 - कृषि क्षेत्र में नवाचार हेतु AI Excellence Centre की स्थापना की जाएगी।
 - बांसवाड़ा में Centre of Excellence for Maize व भरतपुर में Centre of Excellence for Honey Bee-keeping की स्थापना की जाएगी।
 - 75 हजार किसानों के लिये 30 हजार कमी. तारबंदी हेतु ₹324 करोड़ व्यय।
 - एक लाख भूमहीन कृषि श्रमिकों को ₹5,000 तक के कृषि यंत्र व उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे।
 - 100 Farmer Producer Organizations (FPOs) सदस्य कृषकों को वदेश (Israel सहित) व 5 हजार कृषकों को राज्य से बाहर प्रशिक्षण हेतु भेजा जाएगा।
 - Global Rajasthan Agri-Tech Meet (GRAM) का आयोजन होगा।
 - 35 लाख से अधिक किसानों को ₹25,000 करोड़ के ऋण देने का प्रावधान। ₹768 करोड़ ब्याज अनुदान पर व्यय का प्रावधान।
 - Gopal Credit Card के तहत 2.50 लाख गोपालकों को ब्याज मुक्त ऋण हेतु ₹150 करोड़ का प्रावधान।
 - दीर्घकालीन सहकारी कृषि व गैर-कृषि क्षेत्र हेतु ₹400 करोड़ के ऋण पर 5% ब्याज अनुदान।
 - नवीन स्थापित 8 ज़िलों में क्रय-विक्रय सहकारी संघ (KVSS) स्थापित होंगे।
 - अनूपगढ़-श्रीगंगानगर में मनी फूड पार्क एवं सांचौर-जालोर में एगरो फूड पार्क बनेंगे।
 - कृषि उत्पादों की गुणवत्ता सुधार हेतु Power Cleaning Machines।
 - बारा में लहसुन उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना।
- **पशुपालन एवं डेयरी:**
 - **मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना:** बीमति पशुपालकों की संख्या दोगुनी, ₹200 करोड़ अतिरिक्त व्यय का प्रावधान।
 - **पशुधन निःशुल्क आरोग्य योजना:** औषधियों व टीकों की संख्या बढ़कर 200।
 - **दुग्ध उत्पाद व पशुआहार संयंत्र:** Milk Plants की क्षमता वृद्धि व वसितार हेतु ₹540 करोड़।
 - **नवीन दुग्ध संयंत्र:** अलवर, उदयपुर, बांसवाड़ा, भरतपुर एवं सवाई माधोपुर में, ₹225 करोड़ लागत।
 - **नवीन बाईपास प्रोटीन पशुआहार संयंत्र:** राजसमंद-नाथद्वारा व उदयपुर में ₹150 करोड़ व्यय।
 - **दुग्ध संग्रहण लक्ष्य:** 13 लाख लीटर, 1,000 नई सहकारी समितियाँ/संग्रह केंद्र स्थापित।
 - **गौशालाएँ व नंदीशालाएँ:** प्रति पशु अनुदान ₹50 प्रतिदिन।
 - 200 ग्राम पंचायतों में नए पशु चिकित्सा उप केंद्र स्थापित होंगे।
 - बस्सी-जयपुर में Sex Sorted Semen Lab स्थापित किया जाएगा।
 - 100 पशु चिकित्सा अधिकारी व 1,000 पशुधन निरीक्षक नियुक्त होंगे।
- **ग्रीन बजट:**
 - राज्य का पहला ग्रीन बजट प्रस्तुत किया गया।

- 10 प्रमुख क्षेत्रों पर फोकस- (1) जलवायु परिवर्तन अनुकूलन (2) वन एवं पर्यावरण- जैव विविधता/पारिस्थितिकी (3) सतत कृषि, जल संचयन/पुनर्भरण (4) सतत भूमि उपयोग (5) हरित ऊर्जा (6) पुनर्चक्रण एवं अपशिष्ट नष्टि-परिपत्र अर्थव्यवस्था (7) स्वच्छ तकनीक विकास (8) हरित लेखा परीक्षा (9) क्षमता निर्माण-शिक्षा, कौशल (10) हरित वित्त पोषण।
- 5 वार्षिक 'जलवायु अनुकूलन योजना-2030' लागू।
- ₹150 करोड़ की लागत से **Centre of Excellence for Climate Change** स्थापित होगा।
- हरित क्षेत्र विस्तार हेतु **Tree Outside Forest (ToFR)** Policy व **एग्रो-फॉरेस्ट्री** नीति लागू।
- **सवाई माधोपुर में घड़ियाल पालन केंद्र** स्थापित होंगे।
- **नेशनल नैचुरल फार्मिंग मिशन**: आगामी वर्ष 2.50 लाख किसानों को अनुदान।
- **जैविक खेती**: 1 लाख किसानों को जैव एजेंट्स व बायोपेस्टिसाइड्स का लाभ।
- **लघु एवं सीमांत किसानों** को बैल से खेती हेतु **₹30 हजार का प्रोत्साहन**, गोबर गैस संयंत्र पर सब्सिडी।
- **मुख्यमंत्री जल संचयन अभियान 2.0**: 4700+ गांवों में Water Harvesting Structures पर ₹2,700 करोड़ व्यय का प्रावधान।
- **विकासी राजस्थान @2047**: GIS आधारित Green Land Use Perspective Plan।
- सौर उपकरणों के बढ़ते उपयोग हेतु **सोलर दीदी** के रूप में नवीन मानदेय, 25 हजार महिलाओं को प्रशिक्षण दिया जाएगा।
- PHED (Public Health Engineering Department) के पंपिंग स्टेशनों को Hybrid Annuity Model (HAM) मॉडल से सौर ऊर्जा से जोड़ा जाएगा।
- Circular Economy के व्यापक प्रसार के लिये **Rajasthan Circular Economy Incentive Scheme-2025** का प्रावधान।
- Recycling/Reuse हेतु R&D को ₹2 करोड़ के अनुदान का प्रावधान।
- Circular Economy के क्षेत्र में कार्यरत MSMEs व Startups को ऋण पर 0.5% अतिरिक्त छूट प्रदान किया जाएगा।
- राज्य में **Rajasthan Vehicle Scrap Policy** लागू।
- सभी जिला मुख्यालयों पर Waste to Wealth Parks, ग्राम पंचायतों में बर्तन बैंक की स्थापना किया जाएगा।
- ₹250 करोड़ से स्वच्छ एवं हरित प्रौद्योगिकी विकास केंद्र की स्थापना।
- आगामी 3 वर्षों में ₹900 करोड़ से स्वच्छ और हरित-पारिस्थितिकी शहर का विकास।
- **सतत विकास लक्ष्य समन्वय और त्वरण केंद्र (SDGCAC)** की स्थापना।
- कार्बन क्रेडिट के तंत्र पर Rajasthan Green Credit Mechanism एवं Tradable Credits विकसित किया जाएगा।
- ₹100 करोड़ से **Rajasthan Green Challenge Fund**, ₹250 करोड़ से हरित आरावली विकास परियोजना प्रारंभ।



प्राप्तियां

2025-26





डिजिटल इंडिया
100% ग्रामीण



स्किल इंडिया
100% ग्रामीण



डिजिटल इंडिया
100% ग्रामीण



डिजिटल इंडिया
100% ग्रामीण



डिजिटल इंडिया
100% ग्रामीण



डिजिटल इंडिया
100% ग्रामीण



डिजिटल इंडिया
100% ग्रामीण



डिजिटल इंडिया
100% ग्रामीण



डिजिटल इंडिया
100% ग्रामीण

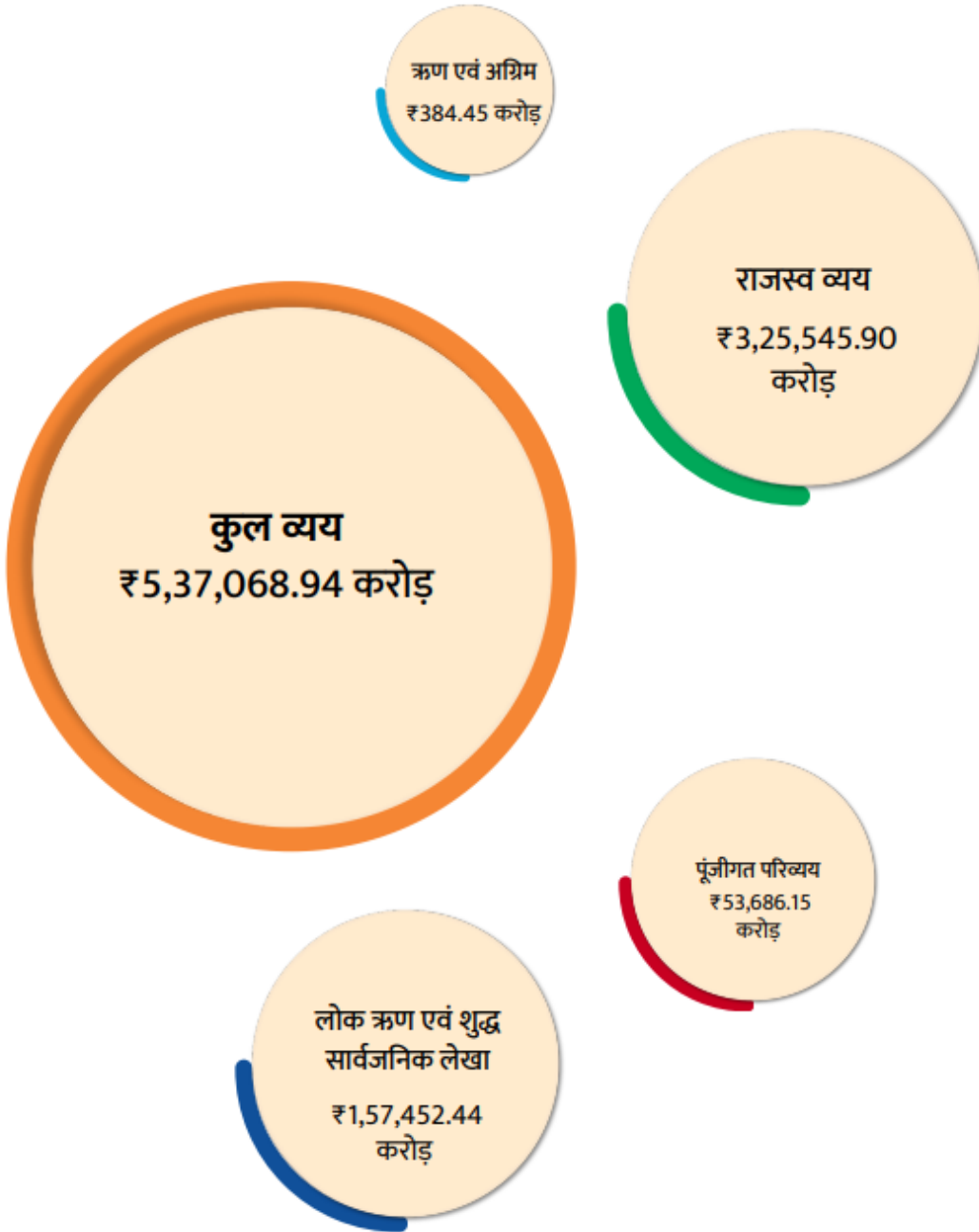


डिजिटल इंडिया
100% ग्रामीण



व्यय

2025-26



विवरण	वर्ष 2025-26 के बजट अनुमान
राजस्व प्राप्तियाँ	₹2,94,536.49 करोड़
राजस्व व्यय	₹3,25,545.90 करोड़
राजस्व घाटा	₹31,009.41 करोड़
राजकोषीय घाटा	₹84,643.63 करोड़ (GSDP 7.7% 4.25%)
अनुमानित GSDP (वर्ष 2025-26)	₹19,89,000 करोड़ से अधिक
लक्ष्य (वर्ष 2030 तक)	\$350 बिलियन की अर्थव्यवस्था निर्माण

